पंजीकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय : 3, मार्बल आर्च, सेनापति बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016

+91 22 24306321/24378866 24313938 abvpkendra@gmail.com www.abvp.org

दि. 9 जुलाई 2025

-:प्रेस विज्ञप्ति:-

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की 77 वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा: देशभर में व्यापक आयोजनों के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

नगर-नगर, महाविद्यालय-विश्वविद्यालय में गूंजा 'छात्र शक्ति राष्ट्र शक्ति' का स्वर - अभाविप ने किया 77वें वर्ष में प्रवेश

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) आज अपने 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक अत्यंत प्रेरक और विचारशील अभियान के साथ पूरे देश में सक्रिय रही। सात दशकों से अधिक समय से छात्रहित एवं राष्ट्रहित के उद्देश्यों के साथ कार्यरत परिषद ने आज राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस को विविध गतिविधियों के माध्यम से मनाया, जिसमें संगठन की वैचारिक प्रतिबद्धता और सामाजिक उत्तरदायित्व का समावेश स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

अभाविप की देशभर की इकाइयों द्वारा विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विभागों, नगरों और जिलों में संगोष्ठियाँ, पब्लिक टॉक्स, सेवा कार्य, दीपोत्सव, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वामी विवेकानंद स्मारकों की सफाई, विद्यार्थियों के साथ संवाद, करियर काउंसलिंग, निबंध प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, रक्तदान शिविर, और युवा संवाद जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इन आयोजनों के माध्यम से अभाविप के प्रमुख कार्यक्षेत्रों—सेवार्थ विद्यार्थी, विकासार्थ विद्यार्थी, राष्ट्रीय कला मंच, शोध आयाम, खेलो भारत,आदि की जानकारी दी गई। युवाओं को इन अभियानों से जोड़ते हुए अभाविप ने अपनी रचनात्मक, वैचारिक एवं राष्ट्रवादी भूमिका को और अधिक सुदृढ़ किया।

परिषद की 77 वर्षों की यह यात्रा न केवल छात्र आंदोलनों की सशक्त भूमिका की गवाह रही है, बल्कि इसने राष्ट्र पुनर्निर्माण में युवा शक्ति के योगदान का मार्ग भी प्रशस्त किया है। संगठन आज लगभग 60 लाख सक्रिय सदस्यता के साथ न केवल भारत का, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन बन चुका है, जो विचार, व्यवहार और नेतृत्व के माध्यम से समाज में सार्थक परिवर्तन ला रहा है और व्यक्तित्व निर्माण के माध्यम से राष्ट्र के पुनर्निर्माण के अपने ध्येय को लेकर प्रतिबद्ध है।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने इस अवसर पर कहा, "विद्यार्थी परिषद की 77 वर्षों की यात्रा मात्र एक संगठनात्मक इतिहास नहीं, बल्कि यह भारतीय छात्र समाज की जाग्रत चेतना का प्रतीक है। हम उन समर्पित कार्यकर्ताओं को नमन करते हैं, जिन्होंने विचार एवं संघर्ष के पथ पर अपने जीवन को समर्पित किया। सेवा, संगठन और संस्कार की त्रयी के माध्यम से आज जो राष्ट्रव्यापी जनजागरण खड़ा हुआ है, वह भारत के भविष्य की दिशा तय करेगा। परिषद का यह स्थापना दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि छात्र केवल कल के नागरिक नहीं, अपितु आज के राष्ट्र निर्माता हैं।"

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री श्री सौरभ पाण्डेय द्वारा जारी की गई है।)